अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 319 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 26 नवंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

अण्डमान तथा निकोबार सरकार पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभाव का अध्ययन करेगी, नए द्वीपों की योजना बनाएगी

अधिकारियों ने बताया कि अण्डमान तथा निकोबार सरकार नए द्वीपों के खुलने और द्वीपसमूह में पर्यटकों की बढ़ती आमद के प्रभाव का विश्लेषण कर रही है ताकि पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके और साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि और अधिक द्वीप क्रमिक रूप से खोले जाएँ।

अपने प्राचीन समुद्र तटों और मैंग्रोव कयाकिंग पर्यटन के लिए प्रसिद्ध इस द्वीपीय केंद्र शासित प्रदेश में कोविड–19 से पहले के वर्षों की तुलना में घरेलू पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की पर्यटन सचिव ज्योति कुमारी ने पीटीआई–भाषा को बताया, "पिछले साल हमारा पर्यटन सीजन काफी सफल रहा। हम कोविड–19 के प्रभावों पर काबू पाने में सफल रहे और पिछले साल चार लाख की आबादी वाले द्वीप पर हमने 7.2 लाख पर्यटकों का स्वागत किया। इस साल भी हम पर्याप्त वृद्धि का अनुभव कर रहे हैं। सितंबर तक हमारे यहां छह लाख पर्यटक आ चुके हैं और हमारा पीक सीजन अक्टूबर और नवंबर के दौरान होता है।"

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, "एक द्वीप होने के नाते, हमारे पास एक वहन क्षमता है। हमारा फ़ायदा यह है कि यहाँ पहुँच केवल उड़ानों तक ही सीमित है, जिससे स्वाभाविक रूप से पर्यटकों की संख्या सीमित हो जाती है। हालाँकि, अक्सर आने वाले द्वीपों पर इसका प्रभाव न्यूनतम है। हम नए द्वीप खोल रहे हैं और अलग–अलग विशिष्ट क्षेत्रों की खोज कर रहे हैं।" पर्यटन सचिव ने बताया कि सरकार ने हाल ही में नॉर्थ सिंक द्वीप खोला है और आगे भी क्रमिक रूप से और द्वीप खोले जाएँगे। "हम प्रतिक्रिया का आकलन करने और यह देखने के लिए सावधानीपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं कि आगंतुक किस तरह से अनुकूलन कर रहे हैं। हम और भी क्षेत्र खोल रहे हैं, वन विभाग ने जॉली बॉय और रेड स्किन द्वीप खोल दिए हैं, जिनकी क्षमता 200 लोगों की है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह सीमा बनी रहे।" उन्होंने आगे कहा, "इस तरह हम पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण और संवर्धन कर रहे हैं। हाल ही में, 21 द्वीप खोले गए हैं, और हम इसके प्रभाव पर नज़र रख रहे हैं। इन द्वीपों का पूरा उपयोग हो जाने के बाद, हम और द्वीप खोलने पर विचार करेंगे।"

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ताड़ के पेड़ों से घिरे समुद्र तटों, मीलों तक फैले सफेद रेत के विस्तार, अविचल शांति और क्रिस्टल–सा साफ़ फ़िरोज़ा पानी का एक रमणीय मिश्रण प्रदान करते हैं जो एक उष्णकटिबंधीय स्वर्ग का प्रतीक है। अण्डमान में पर्यटन के अनुभव में विविधता लाने की योजनाओं पर चर्चा करते हुए, कुमारी ने पक्षी–दर्शन और खगोल–पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला। "हमारे यहाँ पक्षी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं क्योंकि अण्डमान में 32 प्रकार के स्थानिक पक्षी पाए जाते हैं। इसलिए, एक ही दिन में कई पक्षी प्रेमी अपनी संख्या बढ़ाने के लिए आते हैं। हम खगोल–पर्यटन पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि अण्डमान का रात्रि आकाश सबसे सुंदर होता है। आगंतुक उत्तरी और दक्षिणी, दोनों नक्षत्रों को देख सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "यहाँ ऐसे सुविधाजनक स्थान हैं जहाँ से आकाश का 360–डिग्री दृश्य दिखाई देता है, जिससे सभी दिशाओं का अवलोकन संभव होता है। इस क्षेत्र में औद्योगिक प्रदूषण शून्य है, जो खगोल–पर्यटन को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों को बल देता है। मछली पकड़ना भी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय गतिविधि है, और हम अपने प्रसिद्ध जल–क्रीड़ाओं के साथ–साथ इसे भी बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।" केंद्र शासित प्रदेश ने हाल ही में एक खगोल–पर्यटन नीति शुरू की है। "इस नीति के तहत, हम गाइडों का पंजीकरण और प्रशिक्षण कर रहे हैं और उनके लिए ओपन स्काई सर्टिफिकेशन लागू कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हम इस पहल के लिए स्थानीय युवाओं और जनशक्ति को प्रशिक्षित कर रहे हैं।" कुमारी ने कहा, "हम उन स्थानों को संभावित खगोल–पर्यटन स्थलों के रूप में चिह्नित कर रहे हैं जिन्हें प्रकाश प्रदूषण से बचाया जा सकता है।" उन्होंने आगे कहा, "पर्यटक हमारे साथ पंजीकरण भी करा सकते हैं, हालाँकि यह वैकल्पिक है। हमारे पोर्टल पर पंजीकरण कराने के बाद, उन्हें आगामी खगोलीय घटनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी, जिससे वे अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बना सकेंगे।" (स्रोतः **www.economictimes.indiatimes.com**)

माननीय सांसद ने पीसीसीएफ से मिलकर द्वीपवासियों से संबंधित मुद्दे उठाए

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने कल श्री विजय पुरम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, मध्य अण्डमान के कटबर्ट बे और आसपास के वन क्षेत्रों के प्रतिनिधियों और निवासियों से मुलाकात की और 1978 के बाद वन अतिक्रमणकारियों के रूप में पहचाने गए परिवारों के लंबे समय से लंबित मुद्दे पर चर्चा की। सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

मुख्य सचिव ने पीएमबी द्वारा विकसित बंदरगाह प्रवेश प्रबंधन प्रणाली का उद्घाटन किया

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

पत्तन प्रबंध बोर्ड (पीएमबी) ऑफ़लाइन प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न प्रकार के पास जारी कर रहा है, जिसमें व्यक्तिगत स्थायी पास, वाहन स्थायी पास, सरकारी बंदरगाह प्रवेश पास और दैनिक, साप्ताहिक और मासिक परमिट जैसे अस्थायी पास शामिल हैं। इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अपनाई जाने वाली बोझिल प्रक्रिया के कारण बंदरगाह उपयोगकर्ताओं को होने वाली कठिनाइयों के कारण बंदरगाह प्रवेश पास को ऑनलाइन जारी करने के लिए बंदरगाह उपयोगकर्ताओं की ओर से लगातार मांग की जा रही थी। व्यवसाय करने में आसानी की दिशा में एक पहल के रूप में, पीएमबी ने सोवटेक के सहयोग से बंदरगाह प्रवेश प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली का औपचारिक उद्घाटन आज अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) ने किया।

नई डिजिटल प्रणाली को परिचालन दक्षता बढ़ाने, सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करने और सभी बंदरगाह प्रवेश बिंदुओं पर बंदरगाह उपयोगकर्ताओं, हितधारकों, ठेकेदारों और आगंतुकों के लिए सुविधा में सुधार करने के लिए पेश किया गया है। पूरी तरह से डिजिटल प्रसंस्करण तंत्र में स्थानांतरित होने से, सिस्टम मैन्युअल हस्तक्षेप को काफी कम कर देगा, प्रसंस्करण समय को कम कर देगा और पहुंच नियंत्रण और निगरानी में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। आवेदक अब अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं, आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड कर सकते हैं, अपने अनुरोधों की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं और डिजिटल रूप से अनुमोदन प्राप्त कर सकते हैं। बंदरगाह के प्रवेश द्वारों पर सत्यापन क्यूआर कोड स्कैनिंग के माध्यम से किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप तेजी से प्रसंस्करण और बढ़ी हुई सुरक्षा होगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने, सेवा वितरण में सुधार करने और सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित और अधिक कुशल कार्य वातावरण बनाने के लिए पीएमबी की निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। सभी हितधारकों से अनुरोध किया गया है कि वे नई ऑनलाइन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से अपनाएं। इस प्रणाली को **portpravesh.andamannicobar.gov.in** पर ऑनलाइन एक्सेस किया जा सकता है।

कार निकोबार के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बीएलओ सम्मानित

कार निकोबार, 25 नवंबर

मतदाता सूची, 2025 का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 28 अक्टूबर, 2025 से प्रगति पर है। 25 नवंबर, 2025 को आयोजित गणना प्रपत्रों के संग्रह और डिजिटलीकरण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन की मान्यता में, कार निकोबार तहसील के दो बूथ स्तर के अधिकारियों ने असाधारण परिणाम प्राप्त किए। सीडीपीओ कार्यालय, कार निकोबार से जुड़ी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सेवेरिना ने प्रभावशाली 99.37 प्रतिशत (गणना फार्म) डिजिटलीकरण किया, जबकि शिक्षा विभाग की श्रीमती अलीशा मोना, पीएसटी ने सराहनीय 97.28 प्रतिशत (गणना फार्म) प्राप्त किया। उनके परिश्रम और समर्पण ने पुनरीक्षण प्रक्रिया की समग्र उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुकरणीय प्रदर्शन को स्वीकार करने के लिए, ज़िला चुनाव अधिकारी/उपायुक्त, निकोबार की उपस्थिति में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने चुनावी पंजीकरण प्रक्रिया को मजबूत करने में उनकी प्रतिबद्धता और सटीकता की सराहना की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एसआईआर–2025 गतिविधियां श्री अमित काले (आईएएस), ज़िला चुनाव अधिकारी, निकोबार की देखरेख में सभी बीएलओ के माध्यम से घर–घर जाकर गणना फार्म वितरण, भरने और संग्रह का संचालन किया जाता है। इस अवसर ने क्षेत्र के पदाधिकारियों के अनुकरणीय प्रयासों को अंगीकार करने और चुनावी कर्तव्यों के प्रदर्शन में दक्षता, सटीकता और समर्पण के महत्व को दोहराने के लिए एक मंच प्रदान किया।

ननकौड़ी द्वीप, चावरा द्वीप, तिलांगचांग द्वीप के प्रारूप एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना तथा कछाल द्वीप और तरेसा द्वीप के प्रारूप द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र योजना की तैयारी हेतु जन–सुनवाई

श्री विजय पुरम, 25 नवंबर

पर्यावरण एवं वन विभाग के एपीसीसीएफ (सीआरज़ेड एवं एफसी) द्वारा ननकौड़ी द्वीप, चावरा द्वीप, तिलांगचांग द्वीप की प्रारूप एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) तथा कछाल द्वीप और तरेसा द्वीप की प्रारूप द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र योजना (आईसीआरज़ेड) के लिए ईआईए अधिसूचना, 2006 के तहत जन–सुनवाई आयोजित करने हेतु आवेदन किया गया है। इस संबंध में स्थानीय समाचार पत्रों में 3 नवंबर, 2024 को प्रकाशित किया गया था, जिसमें आम जनता एवं अन्य हितधारकों से प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सुझाव आमंत्रित किए गए थे। साथ ही ननकौड़ी द्वीप, चावरा द्वीप एवं तिलांगचांग द्वीप के मानचित्रों की सॉफ्ट कॉपी अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन (**https://andamannicobar.gov.in/**) तथा पर्यावरण और वन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन (**http://forest.and.nic.in/**) की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

प्रारूप आईआईएमपी की सॉफ्ट कॉपी विभिन्न कार्यालयों में भी उपलब्ध कराई गई है, जिनमें अध्यक्ष, एएनसीज़ेडएमए (मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन) का कार्यालय, सदस्य सचिव, एएनसीज़ेडएमए (एपीसीसीएफ (सीआरज़ेड एवं एफसी), वन सदन, हैडो, उपायुक्त (निकोबार), सहायक आयुक्त (कैम्पबेल बे), सहायक आयुक्त (ननकौड़ी), प्रभागीय वन अधिकारी (निकोबार प्रभाग), सदस्य सचिव (अण्डमान तथा निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति), निदेशक (जनजातीय कल्याण), निदेशक (सूचना, प्रचार एवं पर्यटन) तथा जनजातीय परिषद (कैम्पबेल बे, कमोर्टा, तरेसा, चावरा) शामिल हैं।

शेष पृष्ठ 4 पर

उत्तर व मध्य अण्डमान के बूथ स्तर अधिकारियों का सम्मान

मायाबंदर, 25 नवंबर

ज़िला निर्वाचन कार्यालय, उत्तर व मध्य अण्डमान ने बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के समर्पित प्रयासों को अंगीकार किया है, जिन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के 100 प्रतिशत संग्रह और डिजिटलीकरण को सफलतापूर्वक हासिल किया है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार मान्यता प्राप्त बीएलओ के इन सराहनीय प्रयासों ने मतदाता सूची के सटीक और समय पर अद्यतनीकरण, बढ़ी हुई मतदाता सेवाओं और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सम्मानित किये जाने वाले बूथ स्तर अधिकारियों में डिगलीपुर तहसील के ऑस्टिन–2 के श्री गेब्रिएल तिर्की, मायाबंदर तहसील के बोरांग के श्री नोएल बारला और इसी

शेष पृष्ठ 4 पर

बीएलओ श्रीमती स्निग्धा सिकदर शत–प्रतिशत एसआईआर प्रपत्रों के वितरण और संकलन के लिए सम्मानित

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 4 नवम्बर, 2025 से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)–2025 की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में व्यापक रूप से शामिल करना है। इस प्रक्रिया के तहत, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर–घर जाकर प्रपत्रों का वितरण और संकलन कर रहे हैं, ताकि अधिकतम पात्र मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित हो सके।इस संदर्भ में, भाग संख्या–140, श्यामनगर–1, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान ज़िला की बूथ स्तर अधिकारी श्रीमती स्निग्धा सिकदर ने अपने क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रपत्रों का वितरण और संकलन

शेष पृष्ठ 4 पर

ननकौड़ी के द्वीपों में पीएमईजीपी पर जागरूकता सह प्रेरणात्मक कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

ज़िला उद्योग केंद्र, उद्योग विभाग प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) तथा विभाग द्वारा लागू अन्य सरकारी प्रायोजित योजनाओं एवं लाभों पर आधारित कई 'जागरूकता सह प्रेरणात्मक कार्यक्रम' आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम जनजातीय परिषद, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, एसबीआई, एएनएससीबी, एनवाईके और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम इसी सप्ताह के अंत से ननकौड़ी समूह द्वीपों के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य बेरोज़गार व्यक्तियों को विभिन्न विभागों द्वारा लागू योजनाओं, विशेषकर पीएमईजीपी योजना के माध्यम से स्व–रोज़गार गतिविधियाँ अपनाने हेतु जानकारी प्रदान करना है। जागरूकता कार्यक्रम के उपरांत ग्रामीण उद्यमियों को विभिन्न

शेष पृष्ठ 4 पर

CMYK

पुलिस की बारीकी से जांच से बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी को 20 साल की सज़ा हुई

श्री विजय पुरम, 25 नवंबर

गत 19 नवंबर, 2025 को, श्री नेयाज़ आलम, माननीय विशेष न्यायाधीश (पोक्सो), श्री विजय पुरम ने यौन उत्पीड़न के एक घिनौने मामले में एक अहम फैसला सुनाया। आरोपी शेख महबूबलियास गाठी, साउथ प्वाइंट, श्री विजय पुरम के रहने वाले, को 10 साल की नाबालिग लड़की पर गंभीर यौन उत्पीड़न करने का दोषी ठहराया गया। यह कहा गया है कि आरोपी पीड़िता का पड़ोसी था और उसने नाबालिग बच्ची पर तब यौन उत्पीड़न किया जब पीड़िता सो रही थी।

यह घटना तब सामने आई जब पीड़ित लड़की ने अपने माता–पिता को इस बारे में बताया। मामले की तुरंत अबर्डीन थाने में रिपोर्ट की गई, जिसके बाद 30 मई, 2023 को पोक्सो एक्ट के सेक्शन 7/8/9(m)/10/11(i)/11(iv)/12 के तहत प्राथमिकी नंबर 94/2023 दर्ज़ किया गया। उस समय के थानाध्यक्ष गिरीश कुमार की देखरेख में सब इंस्पेक्टर एन. नंदिनी ने केस की जांच की।

ट्रायल के दौरान, राज्य की ओर से स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर सुश्री ए. एस. ज़िनू ने केस चलाया। इसके अलावा, प्रॉसिक्यूशन ने गवाहों से पूछताछ की और सबूतों की पूरी जांच के बाद, माननीय कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराया और कड़ी सज़ा सुनाई:

- पोक्सो एक्ट के सेक्शन 7/8 के तहत 5 साल की सज़ा, 10,000 रुपये का जुर्माना, और रकम अदा नहीं करने पर 2 महीने की और सज़ा।
- पोक्सो एक्ट के सेक्शन 9(एम)/10 के तहत 5 साल की सज़ा, 5000 रुपये का जुर्माना और रकम अदा नही करने पर 1 महीने की और जेल।
- पोक्सो एक्ट के सेक्शन 11(i)/11(iv)/12 के तहत 5 साल की सज़ा, 5000 रुपये का जुर्माना और रकम अदा नहीं करने पर 1 महीने की और जेल।
- भारतीय दंड संहिता की धारा 451 के तहत 5 साल की सज़ा, 5,000 रुपये का जुर्माना और रकम अदा नहीं करने पर 1 महीने की और जेल।

दक्षिण अण्डमान के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सज़ा सुनाते हुए, माननीय न्यायालय ने जुर्म की गंभीरता पर ज़ोर देते हुए कहा कि दोषी ने भरोसे का बहुत गलत इस्तेमाल किया, जिससे युवा पीड़िता को शारीरिक और भावनात्मक रूप से गहरा सदमा लगा। कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि उत्तरजीवी को उसके पुनर्वास, कल्याण और भविष्य में मदद के लिए 2,00,000 रुपये का मुआवज़ा दिया जाए। यह फैसला दिखाता है कि न्यायपालिका यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चों को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह तैयार है और इस बात को मज़बूत करता है कि नाबालिगों के खिलाफ़ होने वाले अपराधों के लिए सबसे कड़ी सज़ा दी जाएगी ताकि पीड़ित को न्याय मिले और समाज को भी इससे रोका जा सके।

टैगोर सभागार में दिव्य कला मेला एवं दिव्य कला शक्ति 2025 का सफल आयोजन

श्री विजय पुरम, 25 नवंबर

खंड परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, दक्षिण अण्डमान ने आज 25 नवंबर, 2025 को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, मिडिल प्वाइंट के ऑडिटोरियम में दिव्य कला मेला और दिव्य कला शक्ति 2025 कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए आयोजित किया गया, जिसने समावेशन और प्रतिभा के उत्सव के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया। यह पहल, कला और संस्कृति के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की क्षमताओं और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राम प्रवेश, उप शिक्षा अधिकारी, दक्षिण अण्डमान सह उप शिक्षा अधिकारी, विज्ञान, शिक्षा सदन, श्री विजय पुरम उपस्थित थे, जिन्होंने समग्र शिक्षा द्वारा समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की। अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में आत्मविश्वास के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया और उनके समग्र विकास में शिक्षकों, विशेष शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की। इस अवसर की विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंजू लता राव, प्राचार्य, टैगोर कॉलेज थीं।

खंड परियोजना कार्यालय, दक्षिण अण्डमान के अंतर्गत कुल 9 क्लस्टरों के विद्यालयों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे खंड के विभिन्न क्षेत्रों से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई। विद्यार्थियों ने स्वर संगीत, वाद्य संगीत, कविता पाठ, कहानी वाचन, योग प्रदर्शन, समूह नृत्य, एकल नृत्य के साथ फूड स्टॉल प्रदर्शनी, टीएलएम (शिक्षण–अधिगम सामग्री) प्रस्तुति और कला एवं शिल्प प्रदर्शनी सहित विविध प्रस्तुतियाँ दीं, जो उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को दर्शाती हैं। दिव्य कला मेला खंड में खाद्य स्टॉल और कला शिल्प प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहे। क्लस्टरों द्वारा प्रदर्शित शिक्षण–अधिगम सामग्री ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षण अधिगम में अपनाई जाने वाली नवाचारपूर्ण विधियों को दर्शाया और समग्र शिक्षा की सुलभ एवं बाल–केंद्रित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। दिव्य कला मेला और दिव्य कला शक्ति 2025 के विजेताओं को निर्णायक सदस्यों की उपस्थिति में प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन श्री नवीन सिंह, विशेष शिक्षक (माध्यमिक) के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने सभी सीआरसी, शिक्षकों, अभिभावकों, स्वयंसेवकों, सहयोगी कर्मचारियों और विद्यार्थियों के योगदान की सराहना की, जिनके सहयोग से दिव्य कला मेला और दिव्य कला शक्ति 2025 सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

लिटिल अण्डमान में दिव्य कला मेला एवं दिव्य कला शक्ति आयोजित

हटबे, 25 नवम्बर

समग्र शिक्षा के अंतर्गत लिटिल अण्डमान में दिव्य कला मेला एवं दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीपीओ, लिटिल अण्डमान द्वारा 21 नवम्बर, 2025 को आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। इस आयोजन में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया, जिससे समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला।

कार्यक्रम में श्री प्रभाष रॉय (बीपीओ), लिटिल अण्डमान तथा श्रीमती निर्मला जया कोडी, प्रधानाध्यापिका (प्राथमिक), पीएम श्री राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, हटबे उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रस्तुत विविध प्रस्तुतियों और प्रदर्शनों की प्रशंसा की।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में संगीत, नाट्य कला, दृश्य कला, कहानी कथन, योग, कविता और दिव्यांगता जागरूकता से संबंधित खेलों सहित कई गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनसे बच्चों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया। श्री शशांक दास, पीजीटी, अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में स्थानीय व्यंजनों के फूड स्टॉल और सहायक उपकरणों की प्रदर्शनी भी शामिल थी। आयोजकों की सराहना की गई कि उन्होंने प्रतिभा, रचनात्मकता और समावेशन का उत्सव मनाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया और उन्हें ऐसी पहलें जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और समान अवसर सुनिश्चित हो सकें।

जेएनआरएम में गल्स टी–10 क्रिकेट मैच हुआ

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

छात्राओं के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौशल भारत कार्यक्रम के तहत शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग द्वारा जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) खेल के मैदान में आज पहली बार एक रोमांचक गर्ल्स टी–10 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जेएनआरएम के प्रिंसिपल डॉ. पर्ल देवदास ने किया, जिन्होंने प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. मंजू नायर और सहायक प्रोफेसर डॉ. कुसुम ने विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में द्वीपों की तीरंदाजी सब–जूनियर टीम भी

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

सब–जूनियर तीरंदाजी लड़के एवं लड़कियों की टीम, जिसमें अधिकारियों सहित कुल 10 सदस्य शामिल हैं, कल 42वीं एनटीपीसी सब–जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए रवाना होगी, जो कि इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित की जा रही है। टीम भारतीय राउंड स्पर्धाओं में हिस्सा लेगी, जो 29 और 30 नवम्बर, 2025 को आयोजित होंगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह तीरंदाजी संघ की अध्यक्षा श्रीमती आर. मैमुना ने टीम को सफल भागीदारी के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

नारियल विकास बोर्ड द्वारा वित्तीय सहायता तथा 'केसरी' का क्रियान्वयन

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

नारियल विकास बोर्ड अपने नारियल क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 100 हेक्टेयर नए क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण नारियल के पौधे रोपने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजना के तहत, नए क्षेत्रों में नारियल के पौधे रोपने के लिए प्रति हेक्टेयर 56,000 रुपये की वित्तीय सहायता दो समान वार्षिक किस्तों में प्रदान की जाती है, जो दो वर्षों के लिए प्रति वर्ष लगभग 175 रुपये प्रति पौधा बनती है। प्रति लाभार्थी अधिकतम 2 हेक्टेयर और 0.08 हेक्टेयर क्षेत्र में न्यूनतम 10 पौधों के लिए सब्सिडी उपलब्ध है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में नारियल के पेड़ पर चढ़ने वालों, नीरा टैपर्स, संकरण श्रमिकों और नारियल मजदूरों के लिए बीमा कंपनियों के सहयोग से नारियल विकास बोर्ड द्वारा एक व्यापक समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना 'केसरी' भी कार्यान्वित की जा रही है।

इस योजना के तहत, नारियल के खेतों/बागानों या पंजीकृत लघु–स्तरीय नारियल–आधारित उद्योगों में काम करने वाले नारियल मजदूर सभी दुर्घटनाओं और दुर्घटना–संबंधी अस्पताल खर्चों के खिलाफ बीमा कवरेज का लाभ उठा सकते हैं। 956 रुपये का वार्षिक प्रीमियम बोर्ड और लाभार्थी के बीच 85:15 के अनुपात में साझा किया जाता है। अधिकतम 7 लाख रुपये के बीमा कवरेज के लिए बोर्ड 813 रुपये का भुगतान करता है और लाभार्थी केवल 143 रुपये का भुगतान करता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विवरण और आवेदन पत्र नारियल विकास बोर्ड की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए फ़ोन 03192–233918 या ईमेल **sc-andaman@coconutboard.gov.in** पर संपर्क किया जा सकता है।

मध्योत्तर अण्डमान के रेंज अधिकारियों को एनटीपीएस पोर्टल पर ऑफ़लाइन प्रशिक्षण दिया गया

मायाबंदर, 25 नवंबर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने और वन प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के अपने चल रहे प्रयासों के तहत, पर्यावरण और वन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन विभिन्न वन उपज के लिए राष्ट्रीय ट्रांजिट पास सिस्टम पोर्टल के माध्यम से ट्रांजिट पास व अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय पारगमन पास प्रणाली को लकड़ी, बांस और अन्य वन उपज के निर्बाध पारगमन की सुविधा के लिए 'वन नेशन–वन पास' के रूप में देखा गया है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एनटीपीएस पोर्टल के प्रबंधन में फील्ड अधिकारियों की समझ और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से, कल मायाबंदर वन प्रभाग में उत्तर व मध्य अण्डमान के रेंज स्तर के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय ट्रांजिट परमिट सिस्टम (एनटीपीएस) पोर्टल पर ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 17 प्रतिभागी अधिकारियों को श्री अजीत वी. जॉन, निदेशक, वन प्रशिक्षण संस्थान और श्री राजेंद्र वर्मा, सहायक वन संरक्षक (प्रादेशिक) द्वारा पोर्टल की प्रमुख कार्यात्मकताओं, चरण–दर–चरण प्रक्रियाओं और पारगमन परमिट को समय पर और सटीक जारी करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी दी गई।

ननकौड़ी के द्वीपों में पीएमईजीपी पर जागरूकता ——पृष्ठ 1 का शेष

योजनाओं के अंतर्गत आवेदन भरने के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों सहित मार्गदर्शन दिया जाएगा। मौके पर भरे गए आवेदन ऑनलाइन पीएमईजीपी पोर्टल पर अपलोड कर संबंधित चयनित बैंकों को जांच एवं सत्यापन के बाद वित्तीय सहायता हेतु अग्रेषित किए जाएंगे। प्राप्त विज्ञप्ति में ननकौड़ी के द्वीपों के सभी इच्छुक बेरोज़गार व्यक्तियों, जो निर्माण/सेवा/व्यापार क्षेत्र में पीएमईजीपी योजनांतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त कर स्वयं का उद्यम स्थापित करना चाहते हैं, से अनुरोध किया गया है कि वे आधार कार्ड, स्थानीय प्रमाण पत्र, श्रेणी प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र आदि आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ उक्त जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित हों। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक उद्यमी ज़िला उद्योग केंद्र, उद्योग परिसर, मिडिल प्वाइंट से 03192–232819/232601 पर संपर्क कर सकते हैं।

उत्तर व मध्य अण्डमान के बूथ स्तर ——पृष्ठ 1 का शेष

तहसील के बुद्ध नाला के श्री दया शंकर यादव, रंगत तहसील के लोरोजिग के श्री रंजीत सोसन तिर्की, रैफ्टर क्रीक के श्री बिरसा उरांव और अभयगढ़ के श्रीमती जॉनी उरांव शामिल हैं। ज़िला प्रशासन विशेष गहन पुनरीक्षण में सहयोग के लिए सभी हितधारकों और जनता की सराहना करता है। ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त बूथ स्तर अधिकारियों के ईमानदार प्रयासों की भी सराहना की और उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के सभी बूथ स्तर के अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बीएलओ श्रीमती स्निग्धा सिकदर शत–प्रतिशत एसआईआर ——पृष्ठ 1 का शेष

सफलतापूर्वक पूरा किया है। उनके समर्पित प्रयास, निष्ठा और समयबद्ध कार्य निष्पादन ने ज़मीनी स्तर पर पुनरीक्षण प्रक्रिया को सुचारू और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उनकी उत्कृष्ट सेवा के सम्मान में, श्री कमलेश्वर राव एस. (आईएएस), सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), श्री विजय पुरम ने उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा–पत्र प्रदान किया है। ज़िला प्रशासन ऐसे समर्पित मैदानी कर्मचारियों की सराहना करता है, जिनके अथक प्रयास लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। ईएआरओ कार्यालय भविष्य में भी ऐसे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बूथ स्तर अधिकारियों को सम्मानित करता रहेगा।

ननकौड़ी द्वीप, चावरा द्वीप, तिलांगचांग द्वीप के प्रारूप ——पृष्ठ 1 का शेष

इसके अतिरिक्त, कछाल द्वीप एवं तरेसा द्वीप के संदर्भ में स्थानीय समाचार पत्रों में 5 नवंबर, 2024 को प्रकाशित किया गया था, जिसमें प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सुझाव आमंत्रित किए गए थे। कछाल द्वीप एवं तरेसा द्वीप के मानचित्रों की सॉफ्ट कॉपी भी अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन (https://andamannicobar.gov.in/) तथा पर्यावरण और वन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन (http://forest.and.nic.in/) की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रारूप आईसीआरज़ेडपी रिपोर्टों की सॉफ्ट कॉपी भी विभिन्न कार्यालयों में उपलब्ध कराई गई है, जिनमें अध्यक्ष, एएनसीज़ेडएमए (मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन) का कार्यालय, सदस्य सचिव, एएनसीज़ेडएमए (एपीसीसीएफ (सीआरज़ेड एवं एफसी), वन सदन, हैडो, उपायुक्त (निकोबार), सहायक आयुक्त (कैम्पबेल बे), सहायक आयुक्त (ननकौड़ी), प्रभागीय वन अधिकारी (निकोबार प्रभाग), सदस्य सचिव (अण्डमान तथा निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति), निदेशक (जनजातीय कल्याण), निदेशक (सूचना, प्रचार एवं पर्यटन) तथा जनजातीय परिषद (कछाल, तरेसा) शामिल हैं। इस संदर्भ में, निम्नलिखित द्वीपों के लिए जन सुनवाई नीचे दिए गए प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।

क्रम संख्या	तारीख, समय और जगह	द्वीप
1.	04.12.2025 सुबह 10:30 बजे कम्युनिटी हॉल, चैंपिन	ननकौड़ी द्वीप के ड्राफ्ट एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) की तैयारी हेतु जनसुनवाई
2.	05.12.2025 सुबह 10 बजे कम्युनिटी हॉल, जापान टेकरी	कछाल द्वीप के ड्राफ्ट द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र योजना (आईसीआरज़ेड) की तैयारी हेतु जनसुनवाई
3.	06.12.2025 सुबह 09:30 बजे एपीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, चावरा	चावरा द्वीप के ड्राफ्ट एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) की तैयारी हेतु जनसुनवाई
4.	06.12.2025 दोपहर 12.30 बजे एपीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, तरेसा	तरेसा द्वीप के ड्राफ्ट द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र योजना (आईआईएमपी) तथा तिलांगचांग द्वीप के ड्राफ्ट एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) की तैयारी हेतु जनसुनवाई

जेएनआरएम की यूजी परीक्षा फिर से निर्धारित

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

खराब मौसम के कारण, यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में यूजी (कला और विज्ञान) की 18 नवंबर, 2025 (सवेरे और दोपहर) को स्थगित की गई सैद्धांतिक परीक्षाएं फिर से निर्धारित की गई हैं और अब 13 नवंबर, 2025 (सवेरे और दोपहर) को आयोजित की जाएंगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अधिक जानकारी के लिए, छात्र जेएनआरएम के परीक्षा अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं।

परीक्षा समय सारिणी वेबसाइट पर

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

पांडिचेरी विश्वविद्यालय से प्राप्त संचार के अनुसार, यहां के जेएनआरएम में यूजी कला और विज्ञान सीबीसीएस और एनईपी मैप्ड (2023–2026 बैच के छात्रों) के लिए प्रथम सेमेस्टर परीक्षा समय सारिणी, विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर **https://exam.pondiuni.edu.in/oasis/ugpg_tt.htm** लिंक द्वारा होस्ट की गई है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अधिक जानकारी के लिए, छात्र जेएनआरएम के परीक्षा अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं।

तटरक्षक द्वार फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

सभी संबंधितों को सूचित किया गया है कि भारतीय तटरक्षक इकाई (आईसीजीएस), 26 नवंबर को सुबह 9.30 बजे से शाम 5 बजे तक ब्रिचगंज बफल रेंज में फायरिंग अभ्यास करेगी। दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में सभी संबंधितों को चेतावनी दी गई है कि वे स्वयं और अपने वाहन/पशुधन को उल्लिखित तिथि और समय के दौरान फायरिंग रेंज से दूर रखें।

विधि दिवस पर रैली आज

श्री विजय पुरम, 25 नवंबर

अण्डमान लॉ कॉलेज, ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण, दक्षिण अण्डमान के सहयोग से कल 26 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय विधि दिवस समारोह के उपलक्ष्य में रैली का आयोजन कर रहा है। अण्डमान लॉ कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र इसमें भाग लेंगे। ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी, पदाधिकारी और पैरा लीगल वॉलंटियर्स भी सहभागिता करेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्री रशीद आलम, रजिस्ट्रार, कोलकाता उच्च न्यायालय सर्किट बेंच, पोर्ट ब्लेयर, प्राचार्य डॉ. पी.वी. नागेंद्र सरमा की उपस्थिति में रैली को हरी झंडी दिखाएंगे। रैली सुबह 7 बजे नेताजी स्टेडियम से प्रारंभ होगी और यह घंटाघर तथा गांधी प्रतिमा मार्ग से होकर गुजरेगी। रैली का समापन अण्डमान लॉ कॉलेज में होगा। रैली को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। अण्डमान लॉ कॉलेज में विद्यार्थियों के बीच पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन, निबंध लेखन और वाद–विवाद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी।

फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 25 नवम्बर

मनूवर्स, फील्ड फायरिंग एवं आर्टिलरी प्रैक्टिस अधिनियम, 1938 की धारा 10 के उपधारा (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, सभी संबंधितों की जानकारी हेतु दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में यह सूचित किया गया है कि विमान द्वारा सारेक्स अभ्यास 26 नवम्बर, 2025 और 28 नवम्बर, 2025 को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। उपरोक्त तिथियों और समय के दौरान सभी संबंधितों को चेतावनी दी जाती है कि वे स्वयं, अपने वाहन तथा पशुधन को फायरिंग रेंज से दूर रखें।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

संविधान दिवस समारोह 26 नवंबर को संविधान सदन में होगा आयोजित

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

केंद्र सरकार संविधान दिवस (26 नवंबर) पर यहां संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय समारोह आयोजित करेगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपरा को देश–दुनिया तक पहुंचाने के लिए तमाम कार्यक्रम होंगे। इसमें पंचायत से लेकर संसद तक व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु करेंगी। उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री तथा संसद के दोनों सदनों के सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति के संबोधन से होगी, जिसके बाद राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु उद्बोधन देंगी।

समारोह के दौरान संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विधायी विभाग द्वारा तैयार संविधान के नौ भाषाई डिजिटल संस्करण– मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में लॉन्च किए जाएंगे। संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार स्मरणिका "भारत की संविधान से कला और कैलीग्राफी" (हिंदी संस्करण) भी जारी की

जाएगी। कार्यक्रम में राष्ट्रपति की अगुवाई में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया जाएगा।

देशभर में सभी मंत्रालय, विभाग, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश सरकारें तथा स्थानीय निकाय संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसके अलावा हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज, ब्लॉग और निबंध प्रतियोगिताएं, सम्मेलन, सेमिनार, वाद–विवाद, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

आने वाले दशक में भारत शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और समुद्री इनोवेशन का ग्लोबल हब बनेगा–रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भरोसा जताया है कि आने वाले एक दशक में भारत शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और समुद्री इनोवेशन के लिए एक ग्लोबल हब बनेगा। उन्होंने कहा कि आज हम एयरक्राफ्ट कैरियर से लेकर एडवांस्ड रिसर्च वेसल और एनर्जी बचाने वाले कमर्शियल जहाज तक सब कुछ डिलीवर करने में सक्षम हैं। दुनिया के समुद्री इतिहास में भारत की छाप है। हमारे पुरखों के लिए समुद्र सरहद नहीं थे, वे सांस्कृतिक, आर्थिक और स्ट्रेटेजिक जुड़ाव के पुल थे। आज इस विरासत का सम्मान करते हुए हम पुरानी यादों से पीछे मुड़कर नहीं देखते, बल्कि हम एक मकसद के साथ आगे देखते हैं।

रक्षा मंत्री मंगलवार को नई दिल्ली में 'समुद्र उत्कर्ष' सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने न सिर्फ मसालों, कपास और मोतियों का व्यापार किया, बल्कि वे महाद्वीपों के पार विचार, मूल्य और संस्कृति भी ले गए। भारत के लिए समुद्री व्यापार पर निर्भरता खास तौर पर ज्यादा है। भारत का लगभग 95 फीसदी व्यापार वॉल्यूम के हिसाब से और लगभग 70 फीसदी वैल्यू के हिसाब से समुद्री रास्तों से होता है। ऐसा हिंद महासागर में भारत की स्ट्रेटेजिक लोकेशन और 7,500 किमी. लंबी कोस्टलाइन की वजह से भी है। ट्रांसपोर्टेशन का यह तरीका महाद्वीपों के बीच बल्क कार्गो ले जाने, ग्लोबल सप्लाई चेन को आसान बनाने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को सपोर्ट करने का सबसे सस्ता और कुशल तरीका बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने म्यांमार भूकंप के दौरान 'ऑपरेशन ब्रह्मा' लॉन्च किया, जिसमें भारतीय जहाज सतपुड़ा, सावित्री, घड़ियाल, करमुक जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म तैनात किए गए, जिनसे बड़े पैमाने पर ज़रूरी मानवीय राहत पहुंचाई गई। भारत में बने प्लेटफॉर्म ने बार–बार

दिखाया है कि वे सिर्फ देश की रक्षा ही नहीं, बल्कि इंसानियत की भी सेवा करते हैं। वर्ष 2015 में यमन में ऑपरेशन राहत से लेकर महामारी के दौरान ऑपरेशन समुद्र सेतु तक भारतीय जंगी जहाजों ने नागरिकों को घर पहुंचाया है, मेडिकल मदद पहुंचाई है और हिंद महासागर में राहत पहुंचाई है। हमारे शिपयार्ड तेजी से पर्यावरण के अनुकूल टेक्नोलॉजी अपना रहे हैं। ये तरक्की हमारे शिपयार्ड को समुद्री विकास में सक्रिय योगदान देने वाले के तौर पर स्थापित करती है। ऐसा करके भारत के शिपयार्ड भविष्य के लिए एक सस्टेनेबल ब्लू इकॉनमी बना रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि हमारे शिपयार्ड डिफेंस प्लेटफॉर्म के अलावा कई तरह के खास जहाज डिजाइन और बनाते हैं, जैसे ओशनोग्राफिक रिसर्च शिप, फिशरीज़ प्रोटेक्शन वेसल, हाइड्रोग्राफिक सर्वे शिप, पॉल्यूशन कंट्रोल वेसल और कोस्टल पेट्रोल क्राट। ये प्लेटफॉर्म हमारे समुद्रों की गहरी साइंटिफिक समझ को मुमकिन बनाते हैं, मरीन इकोसिस्टम की मॉनिटरिंग को मजबूत करते हैं। साथ ही भारत के बड़े कोस्टलाइन और एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में समुद्री कानून लागू करने की काबिलियत को बढ़ाते हैं।

सीएसआईआर–आईसीएमआर की बैठक में दवा परीक्षण, चिकित्सा मानवरहित उड़ान सेवा सहित कई अहम फैसले

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने संयुक्त बैठक में नई दवाओं के परीक्षण चरण को आगे बढ़ाने, अपशिष्ट जल निगरानी का दायरा विस्तार करने, वन हेल्थ मिशन को मजबूत करने, शोधार्थियों के लिए अवसर बढ़ाने, संयुक्त तकनीकी विकास की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और चिकित्सा आपातकालीन मानवरहित उड़ान सेवा आरंभ करने जैसे कई फैसले लिए।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, राजधानी दिल्ली के सीएसआईआर विज्ञान केंद्र में आयोजित इस उच्च स्तरीय बैठक की सह अध्यक्षता सीएसआईआर महानिदेशक और सचिव (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग) डॉ एन कलैसेलवी और आईसीएमआर महानिदेशक तथा सचिव (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग) डॉ राजीव बहल ने की। बैठक में दोनों संस्थानो के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न प्रयोगशालाओ के निदेशक उपस्थित थे।

बैठक में संयुक्त परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिसमें सीएसआईआर द्वारा विकसित अणुओ का परीक्षण चरण को आगे बढ़ाना, आईसीएमआर समर्थित उन्नत अनुसंधान केंद्रो की प्रगति और शहरो, चिकित्सालयों तथा समुदायों में बहु रोगजनक अपशिष्ट जल निगरानी की स्थिति शामिल रही। बैठक में नई दवाओं के विकास, नियत प्रक्रिया के

अनुसार चिकित्सकीय परीक्षण और आईसीएमआर की बड़े पशुओं पर विषाक्तता परीक्षण सुविधा के प्रभावी उपयोग पर भी विचार–विमर्श किया गया।

एसीएसआईआर–आईसीएमआर शोध उपाधि कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान युवा शोधार्थियों के लिए अवसर बढ़ाने और दोनों संस्थानों की छात्रवृत्तियों के बेहतर एकीकरण पर जोर दिया गया। डॉ कलैसेलवी और डॉ बहल ने राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप सीएसआईआर की वैज्ञानिक क्षमता और आईसीएमआर के सार्वजनिक स्वास्थ्य दायित्व के एकीकृत प्रयास की जरूरत बताई। उन्होंने संयुक्त तकनीकी विकास, विशेषकर डिजिटल नियंत्रण आधारित चिकित्सा आपातकालीन मानवरहित उडान सेवा के लिए सुव्यवस्थित तंत्र विकसित करने पर बल दिया।

टोक्यो के 25वें डेफलिंपिक्स में भारत का शानदार प्रदर्शन, शूटिंग में 16 पदकों के साथ अभियान का समापन

टोक्यो, 25 नवंबर। भारत ने टोक्यो में हुए 25वें समर डेफलिंपिक्स में शूटिंग में दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 में से 16 पदक अपने नाम किए, जिनमें 7 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य शामिल हैं। प्रतियोगिता के 10 दिनों में भारतीय शूटरों ने लगातार दबदबा बनाए रखा। सबसे सफल शूटर रहीं राइफल शूटर माहित संधू, जिन्होंने कुल चार पदक (दो स्वर्ण, दो रजत) जीते। उनके बाद पिस्टल शूटर अभिनव देशवाल और प्रांजली प्रशांत धुमाल रहे, जिन्होंने क्रमशः दो स्वर्ण और एक–एक रजत पदक हासिल किया। धनुष श्रीकांत ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम दोनों में स्वर्ण जीतकर दोहरी सफलता पाई।

इथोपिया के ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख के बादल भारत होते हुए चीन की ओर बढ़े

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

इथोपिया के ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख दिल्ली होते हुए भारत को पार कर चीन की तरफ बढ़ गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को बताया कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने से निकला राख का गुबार चीन की ओर बढ़ रहा है और मंगलवार की शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चला गया है। 10 हजार साल बाद हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख के गुबार ने सोमवार को भारत में उड़ान संचालन को प्रभावित किया। एयर इंडिया ने सोमवार को सात अंतरराष्ट्रीय उड़ान निरस्त करने के बाद मंगलवार को चार घरेलू उड़ानों को भी रद्द कर दिया । इसके साथ डीजीसीए ने एडवाइजरी भी जारी की।

मौसम विभाग के मुताबिक इथोपिया के हेली गुब्बी ज्वालामुखी के फटने के बाद उठा राख का विशाल गुबार सोमवार रात करीब 11 बजे दिल्ली पहुंच गया। यह राख के बादल लाल सागर पार करके करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और जैसलमेर के ऊपर से आया। फिर धीरे–धीरे ये राख बादल दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के बड़े हिस्सों में आया।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह राख के बादल जमीन से 25,000 से 45,000 फीट की ऊंचाई पर थे। इसलिए इसका असर लोगों की सेहत पर नहीं पड़ा। लेकिन विमान

की उड़ान पर जरुर इसका असर देखने को मिला।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने मीडिया को बताया कि राख के बादल चीन की ओर बढ़ रहे हैं और शाम साढ़े सात बजे तक भारतीय वायु क्षेत्र से दूर चले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इथोपिया के अफार क्षेत्र में ज्वालामुखी हेली गुब्बी करीब 10 हजार साल बाद रविवार को फट गया, जिससे राख का एक बड़ा गुबार लगभग 14 किलोमीटर तक ऊपर उठा। यह राख का गुबार लाल सागर से होते हुए पूर्व की ओर अरब प्रायद्वीप और भारतीय उपमहाद्वीप की ओर फैल गया। 4500 किमी दूर फटे ज्वालामुखी की राख उच्च स्तरीय हवा से लाल सागर के पार यमन और ओमान तक और आगे अरब सागर से होते हुए पश्चिमी और उत्तरी भारत की ओर ले आयी।

मन, इंद्री और आत्मा को संतुलित करता है पादाभ्यंग, जानें किस तेल से मिलेंगे कितने लाभ

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

दिन भर काम की थकान से मुक्ति पाने के बहुत सारे तरीके हैं, लेकिन आयुर्वेद में पादाभ्यंग (तलवों की मालिश) को सबसे सरल तरीका बताया गया है। पादाभ्यंग करने से पूरा शरीर प्रभावित होता है और अच्छी और गहरी नींद आती है। इससे तनाव भी कम होता है और थकान मिनटों में दूर हो जाती है, लेकिन बहुत कम लोग ही पादाभ्यंग करने के सही तरीके के बारे में जानते हैं। पादाभ्यंग के लिए किन तेलों का इस्तेमाल करना चाहिए, ये जानना भी जरूरी है।

आयुर्वेद में पादाभ्यंग को तनाव का दुश्मन कहा जाता है, क्योंकि ये मस्तिष्क से लेकर पैरों की नसों को आराम देता है। पादाभ्यंग करने से तंत्रिका तंत्र शांत होता है, जिससे मन और तन दोनों को आराम मिलता है। वैसे तो पादाभ्यंग के लिए देसी घी और हर्बल तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन घर में मौजूद कुछ तेलों की सहायता से भी इसे किया जा सकता है, जैसे तिल का तेल।

तिल के तेल की तासीर गर्म होती है और सर्दियों में तिल के तेल से पादाभ्यंग करने से बहुत सारे लाभ मिलते हैं। तिल का तेल वात दोष को कम करता है और जोड़ों और नसों को मजबूती देता है। खास बात ये है कि तिल के तेल से शीत ऋतु में होने वाली जकड़न कम होती है। नारियल के तेल से पादाभ्यंग करना भी लाभकारी है। हालांकि नारियल के तेल से पादाभ्यंग गर्मियों के मौसम में करें,

क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है। इसका इस्तेमाल करने से गर्मी कम लगती है, पैर में ठंडक महसूस होती है, और त्वचा मुलायम रहती है।

गाय के घी से पादाभ्यंग करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। अगर गाय के घी से बच्चों और बुजुर्गों के तलवों की मालिश की जाए तो आंखों की रोशनी तेजी से बढ़ती है। ये मस्तिष्क और मन दोनों को शांति देता है और त्वचा को कोमल बनाता है। इसके अलावा, सरसों के तेल से भी पादाभ्यंग किया जा सकता है। सर्दियों में सरसों के तेल से पादाभ्यंग करना अच्छा रहेगा क्योंकि सरसों के तेल की तासीर गर्म रहती है। ये शरीर को गर्म रखता है और शरीर को शीत हवाओं से बचाता है। पादाभ्यंग करने से पैरों में रक्तसंचार अच्छे तरीके से होता है, जो मस्तिष्क तक को आराम देता है। सर्दियों में जैतून के तेल से भी तलवों की मालिश की जा सकती है। यह मांसपेशियों के तनाव को कम करता है और पैरों की थकान को दूर करता है।

इतिहास के पन्नों में 26 नवम्बर : 26/11 को मुंबई में हुआ भीषण आतंकी हमला

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

26 नवंबर, 2008 की शाम भारत ने वह खौफनाक मंजर देखा, जिसे आज भी कोई भारतीय भूल नहीं पाया है। पाकिस्तान के कराची से समुद्र के रास्ते नाव पर सवार होकर आए जैश–ए–मोहम्मद के 10 आतंकवादी चुपचाप मुंबई के तट पर दाखिल हुए और कुछ ही घंटों में पूरी दुनिया को हिला देने वाला हमला अंजाम दिया। बम धमाकों और अंधाधुंध गोलीबारी के साथ शुरू हुआ यह हमला अगले तीन दिनों तक मुंबई को दहशत में डुबोता रहा।

सबसे पहला और सबसे भयावह कत्लेआम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के मुख्य हॉल में हुआ, जहां दो आतंकियों ने लगातार 15 मिनट तक एके–47 से फायरिंग कर 52 लोगों की हत्या कर दी और 100 से अधिक लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद आतंकियों ने मुंबई के तीन प्रमुख होटलों– ताज महल पैलेस होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल और नरीमन हाउस को निशाना बनाकर देशी–विदेशी मेहमानों को बंधक बना लिया और कई को मौत के घाट उतार दिया। दक्षिण मुंबई का प्रसिद्ध लियोपोल्ड कैफे भी उनकी गोलीबारी से नहीं बच सका।

इस दौरान भारतीय सुरक्षा एजेंसियों– एनएसजी कमांडो, मार्कोश और मुंबई पुलिस ने अदम्य साहस दिखाते हुए आतंकियों से मोर्चा लिया। घंटे दर घंटे चलती मुठभेड़ों के बाद 29 नवंबर की सुबह तक 9 आतंकियों का सफाया किया जा चुका था, जबकि अजमल कसाब एकमात्र आतंकी था जो जिंदा पकड़ा गया।

तीन दिनों की इस कार्रवाई ने मुंबई को तो आज़ाद करा दिया, लेकिन इसकी कीमत बेहद भारी थी। इस भीषण आतंकी हमले में 160 से अधिक निर्दोष लोगों की मौत हुई और 300 से अधिक घायल हुए। यह घटना भारतीय इतिहास का सबसे दर्दनाक और भयावह शहरी आतंकी हमला बनकर आज भी 26/11 की याद दिलाती है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1865 – लुइस कैरोल की पुस्तक

'एलिस इन वंडरलैंड' अमेरिका में प्रकाशित.

1885 – पहली बार उल्कापिंड की तस्वीर ली गयी।

1932 – महान क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दस हजार रन बनाये।

1948 – नेशनल कैडेट कोर की स्थापना हुई।

1949 – आजाद भारत के संविधान पर संविधान सभा के अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किया।

1960 – भारत में पहली बार कानपुर एवं लखनऊ के बीच एसटीडी सेवा शुरु हुई।

1967 – लिस्बन में बादल फटने से करीब 450 लोग मरे।

1984 – इराक एवं अमेरिका ने कूटनीतिक संबंधों को पुनः स्थापित किया।

1996 – मंगल ग्रह पर जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष यान 'मार्स ग्लोबल सर्वेयर' को अंतरिक्ष में भेजा।

1998 – माहे (सेशल्स) में इजराइल की 'लीनोर अबार्गिल' 1998 की 'मिस वर्ल्ड' चुनी गईं।

1998 – टोनी ब्लेयर आयरलैंड की संसद को संबोधित करने वाले पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बने।

2001 – नेपाल में 200 माओवादी विद्रोही मारे गये; देश में आपातकाल लागू।

2002 – बीबीसी के सर्वेक्षण में विंस्टन चर्चिल महानतम ब्रिटिश नागरिक चुने गये।

2006 – इराक बम धमाके में 202 लोगों की जान गई।

वर्गीज कुरियनः श्वेत क्रांति के जनक ने अपनी एक पहल से भारत को बना दिया दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

भारत को श्वेत क्रांति के जरिए दुनिया में दुग्ध उत्पादन में पहले पायदान पर पहुंचाने वाले और अमूल के संस्थापक डॉ.वर्गीज कुरियन का बुधवार को जन्मदिन है। डेयरी सेक्टर में उनके योगदान को देखते हुए इस दिन को 'नेशनल मिल्क डे' के रूप में मनाया जाता है। 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' नाम से प्रसिद्ध कुरियन ने 'ऑपरेशन लड' के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया और लाखों किसानों को आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया।

डॉ. वर्गीज कुरियन का जन्म 26 नवंबर 1921 को केरल के कोझिकोड में एक समृद्ध सिरियन ईसाई परिवार में हुआ था। उनके पिता सरकारी सर्जन थे। उन्होंने 1940 में चेन्नई के लोयोला कॉलेज से स्नातक और 1943 में गिंडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। 1948 में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया, जहां उन्होंने डेयरी इंजीनियरिंग को सहायक विषय के रूप में पढ़ा।

1949 में भारत लौटने पर सरकार के साथ हुए बांड की अवधि को पूरा करने के लिए उन्हें गुजरात के आनंद में डेयरी डिवीजन में भेजा। यहीं उनकी मुलाकात त्रिभुवनदास पटेल से हुई, जो किसानों को एकजुट कर दूध सहकारी समितियों की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे थे।

कुरियन ने त्रिभुवनदास के साथ मिलकर 1946 में कैरा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड (केडीसीएमपीयूएल) की स्थापना की, जो बाद में 'अमूल' बना। उनके मित्र एच.एम. दयाला ने भैंस के दूध से मिल्क पाउडर और कंडेंस्ड मिल्क बनाने की तकनीक विकसित

की, जिसने भारतीय डेयरी उद्योग को क्रांतिकारी बदलाव दिया। पहले केवल गाय के दूध से ये उत्पाद बनाए जाते थे। इस इनोवेशन ने भारत को दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1965 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने कुरियन के आनंद मॉडल को देखते हुए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की स्थापना की और कुरियन को इसका पहला अध्यक्ष नियुक्त किया। 1970 में शुरू हुए 'ऑपरेशन लड' ने भारत के दूध उत्पादन को 1968–69 में 23.3 मिलियन टन से 2006–07 में 100.9 मिलियन टन तक बढ़ाया। 25 वर्षों में 1700 करोड़ रुपए के निवेश से यह कार्यक्रम दुनिया का सबसे बड़ा डेयरी विकास कार्यक्रम बना। 1998 में भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़कर विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बनने का गौरव हासिल किया।

आज मनाया जायेगा भारतीय संविधान दिवस, सभी को जानने चाहिए भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

दुनियाभर में भारत सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है। इस लोकतंत्र को कायम रखने का सबसे बड़ा कारण भारत का संविधान है। हर साल हमारे देश में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। कॉन्स्टिट्यूशन डे को मनाने का मुख्य उद्देश्य संविधान की विशेषता को और इसके बारे में जानकारी देना है।

भारतीय संविधान बनाने वाली सभा ने 26 नवंबर 1949 को कई दौर की चर्चाओं और संशोधनों के बाद इसे स्वीकार किया था। इसी के चलते हर साल 26 जनवरी को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान सभा की स्वीकृति मिलने के दो महीने बाद भारतीय संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।

संविधान दिवस को मनाने का फैसला इसके निर्माता डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए लिया गया था। पहली बार संविधान दिवस को वर्ष 2015 मनाया गया था।

संविधान को भारत के हर नागरिक को समान अधिकार देने के लिए अंगीकृत किया गया। इसमें सभी व्यक्तियों को कुछ मूल अधिकार भी दिए गए हैं जिनका विवरण निम्नलिखित हैं– समानता का अधिकार। स्वतंत्रता का अधिकार। शोषण के खिलाफ अधिकार। धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार। सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार। संवैधानिक उपचार का अधिकार।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से 19 नवंबर 2015 को संविधान दिवस मनाने की स्वीकृति मिली थी।

संविधान को पूरा होने में 2 साल 11 माह और 18 दिन का समय लगा था।

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई थी।

भारतीय संविधान सभा लिखने वाले सदस्यों की संख्या 299 थी। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद इसके अध्यक्ष थे।

डॉक्टर बीआर आंबेडकर ने भारत के संविधान के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई थी। वे संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे।

लेबर कोड लागू होने से 77 लाख नौकरियां होंगी पैदा, 75,000 करोड़ रुपए बढ़ेगा उपभोग : एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

एसबीआई की मंगलवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के नए लेबर कोड एक छोटे ट्रांजीशन चरण के बाद मीडियम टर्म में बेरोजगारी को 1.3 प्रतिशत तक कम करने में प्रभावी साबित होंगे। हालांकि, नए लेबर कोड का यह प्रभाव सुधारों के लागू होने, फर्म–लेवल पर एडजस्टमेंट लागत और कॉम्प्लीमेंट्री राज्य–स्तरीय नियमों जैसे कारकों पर निर्भर करेंगे।

इसका मतलब होगा कि वर्तमान लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट 60.1 प्रतिशत और शहरी और ग्रामीण वर्कफोर्स में 70.7 प्रतिशत एवरेज वर्किंग एज पॉपुलेशन के आधार पर इस कदम के साथ 77 लाख लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार का सृजन होगा।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर, डॉ. सौम्या कांति घोष ने कहा, "लगभग 30 प्रतिशत के सेविंग रेट के साथ नए नियमों के लागू होने से 66 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन खपत बढ़ेगी। इससे 75,000 करोड़ रुपए का उपभोग बढ़ेगा। इसलिए लेबर कोड को उपभोग बढ़ाने में एक अहम योगदाकर्ता माना जा रहा है।"

रिपोर्ट में कहा गया है कि नए लेबर कोड के लागू होने से कर्मचारी और उद्यम दोनों सशक्त बनेंगे और ऐसे वर्कफोर्स का निर्माण होगा, जिससे भारत के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी आत्मनिर्भर राष्ट्र की राह बनेगी। भारत में 44 करोड़ लोग असंगठित क्षेत्र में काम कर हैं। जिसमें से 31 करोड़ ई–श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं।

अगर अनुमान लगाते हैं कि 20 प्रतिशत लोग इनफोर्मल पे रोल से फॉर्मल पे रोल में शिफ़्ट होते हैं तो इससे करीब 10 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। जिसके साथ हमारा मानना है कि अगले 2–3 वर्षों में भारत की सोशल सिक्योरिटी कवरेज की पहुंच 80 से 85 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएफएस डेटासेट के अनुसार, भारत में फॉर्मल वर्कर्स की भागीदारी 60.4 प्रतिशत है। हमारा मानना है कि नए लेबर कोड लागू होने के बाद फॉर्मलाइजेशन रेट 15.1 प्रतिशत बढ़ जाएगा, जिससे लेबर मार्केट फॉर्मलाइजेशन 75.5 प्रतिशत हो जाएगा।

संचार साथी ऐप ने अक्टूबर महीने में ढूंढे 50 हजार खोए हुए मोबाइल फोन, कुल रिकवरी 7 लाख पार

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

देश में खोए हुए मोबाइल फोनों के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) का संचारसाथी ऐप संजीवनी का कम कर रहा है। इस ऐप ने अक्टूबर महीने में 50 हजार से ज्यादा खोए हुए मोबाइल बरामद किए हैं। देश में यह पहला मौका है जब एक महीने में इतनी बड़ी संख्या में मोबाइल फोन की रिकवरी की गई। देश में अब तक इस ऐप से 7 लाख से अधिक फोनों को ढूंढा जा चुका है।

दूरसंचार विभाग के अनुसार, कर्नाटक और तेलंगाना इस अभियान में सबसे आगे रहे। दोनों राज्यों में अब तक 1 लाख से अधिक मोबाइल फोन की रिकवरी हुई है। महाराष्ट्र 80 हजार मोबाइल से अधिक रिकवरी के साथ तीसरे स्थान पर है। जून से अक्टूबर के बीच देशभर में फोन बरामदगी में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्तमान में संचारसाथी ऐप की मदद से देश में हर मिनट एक से अधिक मोबाइल फोन बरामद किया जा रहा है। रिपोर्ट किए गए मोबाइल में किसी सिम के लगाए जाने पर प्रणाली पंजीकृत नागरिक और संबंधित थाना पुलिस को तत्काल अलर्ट भेजती है। इससे चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन के दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलती है और रिकवरी की प्रक्रिया तेज होती है।

डीओटी ने बताया कि इस सफलता के पीछे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस, डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) और फील्ड फॉर्मेशन के बीच मजबूत समन्वय रहा है। नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और विभिन्न पुलिस बलों के साथ साझेदारी ने धरातलीय प्रतिक्रिया और संचालन क्षमता को और सुदृढ़ किया है।

उल्लेखनीय है कि संचार साथी का आधार स्वदेशी रूप से विकसित एक मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसमें स्वचालित वर्कलो और रियल टाइम डिवाइस ट्रेसिंग की तकनीक शामिल है।

विश्व प्रतिजैविक प्रतिरोध (एएमआर) जागरूकता सप्ताह मनाया गया

श्री विजय पुरम, 24 नवम्बर।

'विश्व प्रतिजैविक प्रतिरोध (एएमआर) जागरूकता सप्ताह–2025' का आयोजन आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम में 18 से 24 नवम्बर, 2025 तक किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एएमआर को 21वीं सदी के शीर्ष वैश्विक स्वास्थ्य खतरों में से एक माना है।

प्रतिजैविक प्रतिरोध (एएमआर) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और परजीवी अब प्रतिजैविक दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते। परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स और अन्य प्रतिजैविक दवाएं अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमणों का उपचार कठिन या असंभव हो जाता है, जिससे बीमारी के प्रसार, गंभीर स्थिति और मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। 'विश्व एएमआर जागरूकता सप्ताह' एक वैश्विक अभियान है, जिसका उद्देश्य एएमआर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समझ को मजबूत करना तथा दवा–प्रतिरोधी रोगाणुओं के उभरने और फैलाव को रोकने की दिशा में वैश्विक कार्रवाई को बढ़ावा देना है। इस वर्ष का थीम "अभी कार्य करें: हमारा वर्तमान सुरक्षित रखें, हमारा भविष्य सुरक्षित करें" है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 24 नवम्बर को सप्ताह का समापन एक कार्यशाला के साथ हुआ, जिसमें आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक डॉ. जय सुंदर ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एएमआर की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पशु पालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. के.ए. नवीन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के उप निदेशक (आयुष) डॉ. कल्याण पी. कड़भाने उपस्थित रहे। आयोजन सचिव डॉ. टी. सुजाता ने जागरूकता कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गई विविध गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

डॉ. कड़भाने ने एएमआर के खिलाफ लड़ाई में वैकल्पिक चिकित्सा, विशेषकर हर्बल चिकित्सा की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। डॉ. नवीन ने मानव एवं पशु स्वास्थ्य, कृषि और अन्य क्षेत्रों को शामिल करते हुए समग्र एवं सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. अरुण कुमार डे द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इफ्फी में अभिनेता धर्मेंद्र को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 25 नवम्बर।

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में महान अभिनेता धर्मेंद्र को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सिनेमा में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया। फिल्म निर्माता राहुल रवैल ने उन्हें प्रतिष्ठित अभिनेता और एक असाधारण इंसान के रूप में स्मरण करते हुए कला के प्रति उनके अटूट समर्पण और जुनून को याद किया। रवैल ने मेरा नाम जोकर और बेताब जैसी फिल्मों से जुड़ी मार्मिक यादें साझा कीं और धर्मेंद्र के अथक परिश्रम और सिनेमा के प्रति उनके गहरे प्रेम को उजागर किया। उन्होंने कहा कि फिल्म जगत ने एक ऐसे महान व्यक्तित्व को खो दिया है जिनकी गर्मजोशी और विनम्रता ने अनगिनत लोगों के जीवन को प्रेरित किया है। इफ्फी आयोजकों ने एक विशेष श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया। इसमें एक ऐसे जीवन को श्रद्धांजलि दी गई जिसने हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम युग को आकार दिया।

8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स एवं 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप आज से भोपाल में

भोपाल, 25 नवंबर।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय रोइंग संघ के तत्वावधान में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स एवं 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 30 नवंबर तक किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ी प्रतिभागिता करेंगे।

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आयोजन स्थल पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे देशभर से आने वाले खिलाडियों और अधिकारियों को उत्कृष्ट अनुभव प्राप्त हो सकें। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण क्षेत्रों, उपकरणों की उपलब्धता एवं तकनीकी तैयारियों का अवलोकन किया।

मंत्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े तालाब के प्राकृतिक और अद्भुत सौंदर्य के बीच होने वाली यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों और दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी।

खेल मंत्री सारंग ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का मध्यप्रदेश प्रमुख केंद्र बन रहा है। इस तरह के चैंपियनशिप के आयोजन से मध्य प्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स को और बढ़ावा मिलेगा तथा युवा खिलाड़ियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। बड़े तालाब का विस्तृत क्षेत्र और अनुकूल जल परिस्थितियाँ देश के प्रमुख वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता स्थलों में से एक हैं।

अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद ज़रूरी: शुभांशु शुक्ला

बेंगलुरु, 25 नवंबर।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू तारामंडल में छात्रों से बातचीत करते हुए कहा कि यदि आप शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखते हैं और अपने जीवन में अनुशासन विकसित करते हैं, तो आप मेरी तरह अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं।

बेंगलुरु के जवाहरलाल नेहरू तारामंडल में कर्नाटक सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में राज्य के विभिन्न जिलों से आए सरकारी और निजी स्कूलों के बच्चों ने शुभांशु शुक्ला से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों के कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि आप भी मेरी तरह अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, लेकिन सिर्फ़ अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना मत देखिए, क्योंकि हर किसी को यह मौका नहीं मिलता। आप मुझे एक हीरो के रूप में देख सकते हैं, लेकिन मेरे सफ़र में हज़ारों लोगों ने काम किया है। कई इंजीनियर, डॉक्टर वगैरह हैं। आप भी उनकी तरह बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मेरे अंतरिक्ष मिशन को प्रेरित करने वाले कई लोग हैं। कई लोगों के नाम लेना मुश्किल है। मैंने अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा से बहुत कुछ सीखा है। आपके

जीवन में एक लक्ष्य होना चाहिए। उसे हासिल करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात आपके पास धैर्य होना चाहिए, क्योंकि मैंने 20 दिन के मिशन के लिए 5 साल तक प्रशिक्षण लिया है। शुक्ला ने छात्रों को बताया कि अंतरिक्ष यात्रा उतनी आसान नहीं है, जितना आप सोचते हैं। नए वातावरण में ढलना बहुत मुश्किल होता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद मुझे हवा में तैरने की आदत हो गई। वहां कई शोध किए। जब मैं धरती पर वापस आया तो यह बहुत मुश्किल था। वापस आने के बाद मैं एक हफ़्ते तक सीधा खड़ा भी नहीं हो सका।

गुजरात : कच्छ का रण उत्सव बना पर्यटकों की पहली पसंद, सफेद रण और संस्कृति का अनोखा संगम

कच्छ, 25 नवंबर।

कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा, यह बिल्कुल सही है। मीलों तक फैला कच्छ का सफेद रण, ऊंट की सवारी, कच्छ विलेज में स्थानीय परंपरा और कच्छी संस्कृति का दीदार और लोकल व्यंजनों का स्वाद। कच्छ के रण उत्सव में देश–विदेश से आए पर्यटकों के लिए काफी कुछ है, तभी तो टूरिस्ट इसकी तारीफ करते नहीं थकते।

पर्यटक प्रीति किरेचा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यहां के लोगों के स्वागत का अंदाज अनोखा है। लोग कहते हैं कि हम परिवार की तरह हैं। कच्छ स्थान बहुत ही सुंदर है। यहां बहुत सारी जगह हैं, जो बहुत ही मनोरम हैं। यह पर्यटन के लिए सबसे बेहतर स्थान है।

यह वही कच्छ है, जो 2001 में आए भूकंप में पूरी तरह तबाह हो गया था। लेकिन, तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसे नए सिरे से संवारा, साथ ही 2005 में यहां रण उत्सव की शुरुआत कर इसे नई पहचान भी दिलाई। आज कच्छ भारत ही नहीं दुनिया के टूरिज्म नक्शे में खास मुकाम हासिल कर चुका है। तीन साल पहले यहां बनाया गया स्मृति वन भूकंप म्यूजियम कच्छ की तबाही से विकास तक की यात्रा को संजोए हुए है और पर्यटकों को उस आपदा की विभीषिका का एहसास दिलाता है।

मुंबई से आई पर्यटक आरती राजपूत ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यहां पर भूकंप आने से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा था। यहां आने के बाद पता चला कि हमारा गुजरात कितनी तकलीफों से गुजरा है और जल्द ही रिकवर कर आगे बढ़ा है। पीएम मोदी की वजह से गुजरात में जो विकास हुआ है, वह सराहनीय है।

कच्छ में पर्यटकों के लिए सफेद रण का पूनम का चांद, धोरडो, स्मृति वन और काला डूंगर के अलावा लखपत का गुरुद्वारा, कोटेश्वर महादेव और आशापुरा मंदिर जैसे कई अन्य टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी हैं।

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय अभियान नई चेतना– 4.0 की शुरुआत

नई दिल्ली, 25 नवंबर।

ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को "नई चेतना 4.0"– लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत की। यह अभियान देशभर में एक महीने चलेगा। सुषमा स्वराज भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मसानी और कमलेश पासवान भी उपस्थित रहे।

इस मौके पर ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है कि "कोई बहन गरीब न रहे, किसी महिला की आंखों में आंसू न हों और हर बहन सम्मान, आत्मविश्वास और समृद्धि प्राप्त कर 'लखपति दीदी' बने।"

उन्होंने बताया कि 02 करोड़ से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं अब तक 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करके और देशभर में ग्रामीण महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करके इस दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

कार्यक्रम में 11 मंत्रालयों/विभागों द्वारा तैयार अंतर–मंत्रालयी संयुक्त परामर्श भी जारी किया गया। इसका उद्देश्य पूरे सरकारी तंत्र की शक्ति का उपयोग कर देशभर में लैंगिक भेदभाव और हिंसा को समाप्त करना है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के बीच त्रिपक्षीय एमओयू दृ लेटर ऑफ इंटेंट भी जारी किया गया, जिसके माध्यम से हिंसा–रहित मॉडल गांव विकसित किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में अपने संबोधन में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह पहल ग्रामीण भारत में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और अधिकारों को मजबूत करेगी।